अनहद

उत्तराखण्ड शासन

अंक - 03

त्रैमासिक ई-पत्रिका

अगस्त – अक्टूबर 2023

राजकीय महाविद्यालय गदरपुर (ऊ.सिं. नगर , उत्तराखण्ड)

Website : gdcgadarpur.in
E-mail: gdcgadarpur@gmail.com

संपादक मंडल

संपादक :

डॉ. तनुजा परिहार
अर्थशास्त्र विभाग

सहसंपादक :

1. कु० विदिशा कर - छात्रा
2. शशांत कुमार – छात्र

सदस्य :

1. श्री गौरव जोशी (तकनीकी सहयोगी)
2. श्रीमती नीतू सिंह

सलाहकार समिति :

1. डॉ० अशोक कुमार (एसो० प्रो० समाजशास्त्र)
2. डॉ० अर्चना वर्मा (असि० प्रो० हिंदी)

संरक्षक :

प्रो० शर्मिला सक्सेना
प्राचार्य,
राजकीय महाविद्यालय गदरपुर

बढ़ता ही चल
निपट अकेला,
अगर न पथ पर तेरे कोई दीप जलाये
नभ हो मेघाच्छन्न
राह घनघोर अँधेरी
तू विद्युत सा स्वयं हृदय का दीप जलाकर
चलता ही चल , चलता ही चल
निपट अकेला |

\- रविन्द्र नाथ टैगोर

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	शुभकामना संदेश	1-2
2	प्राचार्य संदेश	3
3	सम्पादकीय	4
4	झलकियाँ	5-9
5	समाचारिका	10-12
6	Students' Corner	13-15
7	अतिथियों की कलम से	16
8	विशेष / उपलब्धि / सम्मान	17
9	गुरू की वाणी	18
10	महाविद्यालय परिवार / महाविद्यालय एक दृष्टि में	19
11	INFO DESK	20

कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल

स्लीपी हॉलो, नैनीताल–263001, उत्तराखण्ड, भारत

Kumaun University, Nainital

Sleepy Hollow, Nainital-263001, Uttarakhand, India
(Accredited "A" Grade by NAAC)

प्रो० दीवान एस. रावत
एफ एन ए एससी, एफ आर एस सी, सी केम (लन्दन)
कुलपति

Prof. Diwan S. Rawat
FNASc, FRSC, CChem (London)
Vice-Chancellor

संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि राजकीय महाविद्यालय,गदरपुर, जनपद उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड द्वारा महाविद्यालय की त्रैमासिकी ई–पत्रिका **'अनहद'** का प्रकाशन किया जा रहा है।

महाविद्यालय स्तर पर प्रकाशित होने वाली पत्रिका का मुख्य उद्देश्य शिक्षण संस्थान के विभिन्न घटकों –विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, भूतपूर्व छात्रों एवं समाज के लोगों को महाविद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों के बारे में अवगत कराना, उन्हें प्रेरित करना तथा समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण का निर्माण करना है ।

इसके अतिरिक्त प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान का यह भी दायित्व होता है कि वह अपने विद्यार्थियों को ऐसी संस्कारवान शिक्षा दे, जिससे कि वे अपने जीवन में रोजगार पाने के साथ–साथ श्रेष्ठ नागरिक भी बन सकें तथा महाविद्यालय द्वारा संचालित शैक्षिक व शिक्षणेत्तर कार्यकलापों से प्रत्येक विद्यार्थी चहुँमुखी विकास की ओर अग्रसर रहे ।

मैं, पत्रिका के प्रकाशन के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकों, सम्पादक मण्डल के सदस्यों, छात्रों एवं कर्मचारियों को इस अवसर पर हार्दिक शुभकामनाऐं प्रेषित करता हूँ तथा पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ ।

प्रो० दीवान एस० रावत
कुलपति

दूरभाष (कार्यालय) 05942–235068, मो. 9411101144, 9810232301 फैक्स (कार्यालय) 05942–235576
E-mail : vc@kunainital.ac.in

संदेश

यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि राजकीय महाविद्यालय गदरपुर–ऊधम सिंह नगर द्वारा त्रैमासिक ई–पत्रिका अनहद का प्रकाशन किया जा रहा है। छात्र–छात्राओं में सृजनात्मक विकास के दृष्टिगत आपके द्वारा किया जा रहा ये प्रयास सराहनीय है।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में इस समय हमारी शिक्षा व्यवस्था में अनेक परिवर्तन हो रहे हैं। आशा है कि महाविद्यालय में अध्ययनरत सभी छात्र–छात्रायें अपने विद्वान प्राध्यापकों से उचित मार्गदर्शन प्राप्त कर अपने भविष्य को उचित दिशा की ओर अग्रसर कर सफलता पाने में सक्षम होंगे।

सीमित संसाधनों के बावजूद प्रो0 शर्मिला सक्सेना, प्राचार्य जी के निर्देशन में विद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है। मैं समस्त विद्यालय परिवार को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु अपनी शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

शुभेच्छु

दि0 06.11.2023

(भाष्करानन्द पाण्डे)
खण्ड शिक्षा अधिकारी
गदरपुर, ऊधम सिंह नगर।

प्राचार्य का संदेश

प्रो. शर्मिला सक्सेना
प्राचार्य,
राजकीय महाविद्यालय गदरपुर

'अनहद' राजकीय महाविद्यालय गदरपुर के विद्यार्थियों हेतु एक ऐसा अनुपम कैनवास है जिसमें वे मनचाहा आकार उकेर सकते हैं, अपनी कल्पना को जीवंत रूप दे सकते हैं और अपने सपनों को मूर्त रूप में ढाल सकते हैं।

संपादक मंडल एवं सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार को 'अनहद' की निंरतरता बनाये रखने के लिए साधुवाद।

संपादकीय

सह संपादक छात्र की लेखनी से.....

'अनहद' के तृतीय अंक को आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार को अपार प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। सह– संपादक के रूप में मुझे बहुत कुछ नया सीखने का अवसर प्राप्त हुआ जिसके लिए में प्राचार्य मेंडम एवं अपने गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ। आप सभी से अनुरोध है कि 'अनहद' की त्रुटियों को बताने के साथ–साथ हमें अपने अमूल्य सुझाव देने की कृपा करें जिससें हमें सुधार का अवसर प्राप्त हो सकें।

'अतिथियों की कलम सें' नामक स्तंभ में हमनें महाविद्यालय के बाहर से विशेंषज्ञों को जोड़कर पत्रिका के आकाश को विस्तार दिया है, आशा है आपको पसंद आयेगा।

शशांत कुमार
बी.ए.तृतीय वर्ष
(सह संपादक छात्र)

झलकियाँ

पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक उन्मूलन समिति (30 / 09 / 2023)

महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ (11 / 10 / 2023)

रा0से0योजना (छात्रा इकाई) का शुभारंभ (31 / 10 / 2023)

एंटी ड्रग सेल (21 / 08 / 2023)

आपदा प्रबंधन समिति (21 / 10 / 2023)

मतदाता जागरूकता अभियान (10 / 8 / 2023)

विभागीय परिषद राजनीति विज्ञान विभाग (7 / 8 / 2023)

क्रीड़ा विभाग (29 / 8 / 2023)

शिक्षा शास्त्र विभाग (5/10/2023)

हिन्दी विभाग विभागीय परिषद (9/8/2023)

मोटा अनाज प्रदर्शनी (9/10/2023)

त्रैमासिक ई–पत्रिका विमोचन (19/10/23)

एंटी ड्रग सेल (18/10/2023)

गाँधी जी के जीवन पर प्रदर्शनी (13/10/2023)

अर्थशास्त्र विभाग –क्विज प्रतियोगिता (7/8/2023)

आजादी का अमृत महोत्सव (12/8/2023)

हिंदी पखवाड़ा मनाते हुए दीवार पत्रिका (18 / 9 / 2023)

नवचार समिति (5 / 10 / 2023)

स्वच्छता अभियान (2 / 10 / 2023)

INDUCTION PROGRAMME (3 / 8 / 2023)

समाचारिका

विद्यार्थियों ने निकाली मतदाता जागरुकता रैली

छात्र छात्राओं को सिखाए व्यक्तित्व विकास के गुर

डिग्री कॉलेज में लगाई मोटे अनाज की प्रदर्शनी

जीवन का मार्ग प्रशस्त करती हैं पत्रिकाएं : पांडे

महाविद्यालय गदरपुर के छात्र/छात्राओं ने गोद लिए हुए गांव रामजीवनपुर में एंटी ड्रग सेल का किया प्रचार

उच्च शिक्षा निदेशक और पूर्व कैबिनेट मंत्री द्वारा अनहद पत्रिका का विमोचन संपन्न

महाविद्यालय की त्रैमासिक ई पत्रिका का विमोचन

गदरपुर राजकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन

राजकीय महाविद्यालय गदरपुर में मनाया गया हिंदी पखवाड़ा दिवस

साईबर सिक्योरिटी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

जागरूकता अभियान में निरक्षर वयस्कों हस्ताक्षर करना सिखाया

हिंदी पखवाड़ा पर विद्यार्थियों ने साक्षरता अभियान चलाया

राजकीय महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया गढ़भोज दिवस

छात्र छात्राओं को सिखाए व्यक्तित्व विकास के गुर

गदरपुर (उद संवाददाता)। राजकीय महाविद्यालय में छात्र छात्राओं को व्यावहारिक अंग्रेजी, व्यक्तित्व विकास एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति का प्रशिक्षण दिया गया। बता दें महाविद्यालय प्रबंधन और अजीम जी प्रेमजी फाउंडेशन ने महाविद्यालय की कौशल विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक सहयोगात्मक कार्ययोजना तैयार की गयी है। जिसके तहत महाविद्यालय के विद्यार्थियों को अंग्रेजी में बात करने, इंटरव्यू के लिए तैयार करने तथा उनके व्यक्तित्व को निखारने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम तय किये गये हैं।

जो व्यावहारिक और आवश्यक होने पर साप्ताहिक रूप से संचालित किये जायेंगे। अब तक दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा चुके हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय की कौशल विकास समिति के प्रभारी डा. अशोक कुमार, डा. अनीता, प्राध्यापक डा. हरि प्रकाश, डा. प्रमोद वर्मा, डा. प्रभजोत कौर तथा अजीमजी प्रेमजी फाउंडेशन के प्रशिक्षक आदित्य कोठारी, मोहम्मद नदीम के अलावा महाविद्यालय के छात्र विकास, निकिता, शालीन, सतजीत सिंह, फिरदौस, सौम्या आदि ने भी आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

जागरूकता अभियान में निरक्षर वयस्कों हस्ताक्षर करना सिखाया

गदरपुर (उद संवाददाता)। राजकीय महाविद्यालय गदरपुर के बीए तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने कु. विदिशा कार की अगुवाई में हिंदी पखवाड़ा मनाने के साथ ही वयस्क साक्षरता के लिए जागरूकता अभियान चलाकर कुछ निरक्षर वयस्कों को हस्ताक्षर करना सिखाया। इन निरक्षर वयस्कों को लाईन तक खींचने में दिक्कत हो रही थी लेकिन छात्र-छात्राओं ने हार नहीं मानी और समाज के विकास हेतु

अपना योगदान दिया। कु. विदिशा कार, शालू, एवं विकास ने स्वयं आगे बढ़कर छात्र प्रेरणा व मार्गदर्शन से यह जनजागरूकता अभियान चलाया। वहीं हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत इन छात्र-छात्राओं ने हिंदी दीवार पत्रिका तैयार करके अपना योगदान हिंदी के विकास में सुनिश्चित किया है। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. शर्मिला सक्सेना ने बताया कि थोड़े से प्रोत्साहन देने से ही ये विद्यार्थी बड़े कार्य करने को तत्पर हैं। इन्हें आगे भी मार्गदर्शन दिया जाएगा।

राजकीय महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया गढ़भोज दिवस

पीलीभीत रोड पर बाइकों की टक्कर में दो की मौत

महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सिखाए आपदा प्रबंधन के गुर

छात्र छात्राओं को सिखाए व्यक्तित्व विकास के गुर

STUDENTS' CORNER

उम्मीद

प्रिया एक 25 वर्ष की लड़की हैं। वह अपने माता–पिता, छोटे भाई और अपनी छोटी बहन के साथ उत्तराखंड के छोटे से गाँव कलाप में रहती थी। प्रिया बचपन से ही अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को अच्छे से जानती थी। प्रिया ने बचपन से ही गरीबी देखी थी। वह अपने परिवार का भविष्य उज्जवल बनाना चाहती थी। प्रिया एक समझदार और ईमानदारी लड़की थी। प्रिया बचपन से ही कक्षा मे अव्वल आती थी। प्रिया ने बहूत अच्छे अंक प्राप्त कर अपनी बी. टेक की डिग्री पूरी की वह उस वर्ष अपने कॉलेज की टॉपर रही। डिग्री पूरी करने के बाद प्रिया ने कई कम्पनियों में इंटरव्यू दिए। प्रिया को कहीं भी काम नहीं मिला पर उसने हार नहीं मानी और कई स्थानों पर इंटरव्यू दिये पर उसे सब जगह से निराशा ही मिली। प्रिया अब हार मान चुकी थी वह अपना ज्यादातर वक्त अपनें कमरें में व्यतीत करने लगी और यह सोचने लगी इतने अच्छें अंक का क्या फायदा जिसके बाद भी काम न मिलें। ऐसे ही छः महीने बीत गयें अब प्रिया ने हँसना–बोलना, खाना सब बंद कर दिया वह डिप्रेशन में जा चुकी थी। अब दवाईयों का भी उस कोई असर नही हो रहा था। एक दिन लिया अपनी मम्मी को खिड़की से बाहर बेल को दिखाते हुए कहती हैं जब इसके सारे पत्ते गिर जायेंगे तब मैं भी मर जाऊँगी। धीरे–धीरे समय बीता और अब बेल पर केवल एक पत्ता ही बचा हुआ था उस रात को बहुत आंधी तूफान आया प्रिया यही सोचते–सोचते सो गई की कल यह पत्ता भी नहीं रहेगा और न ही मैं। अगले सुबह जब वह उठी तो उसने देखा की वह पत्ता अभी भी बेल पर हैं। उस पत्ते को देखकर प्रिया के अंदर एक नयी उम्मीद और उत्साह आ गया। वह सोचने लगी इतने तुफानों के बाद भी इस पत्ते ने हार नहीं मानी तो मैं कैसे मान सकती हूँ। अब प्रिया धीरे–धीरे रिकवर करने लगी और हँसी–खुशी से जीवन जीने लगी।

सिया भारद्वाज
बी.ए.प्रथम सेमेस्टर
राजकीय महाविद्यालय गदरपुर
(ऊ0सि0नगर)

STUDENTS' CORNER

गुरू शिष्य की कहानी

गुरू शिष्य अपने गुरू से सप्ताह भर की छुट्टी लेकर अपने गांव जा रहा था। तब गांव पैदल ही जाना पड़ता था, जाते समय रास्ते में उसे एक कुआं दिखाई दिया। शिष्य प्यासा था इसलिए उसने कुंए से पानी निकाल कर अपना गला तर किया। वह प्रसन्न हो गया और उसने यह सोचा कि मैं गुरू जी के पास तो जा ही रहा हूं क्यों ना इस कुएं का ठंडा और मीठा जल गुरूजी के लिए भी ले जांऊ। शिष्य ने कुएं से जल निकाला और गुरू जी की तरफ चल दिया गुरूजी के पास पहुंच कर उसने गुरूजी को सारी बात बताकर जल दिया, गुरूजी ने शिष्य से जल लेकर पिया और संतुष्टि प्राप्त की। उन्होने शिष्य से कहा वाकई जल तो गंगाजल के समान है। शिष्य को खुशी हुई, गुरूजी से इस तरह के अमोल वचन सुनकर फिर शिष्य गांव की तरफ चल दिया। उस शिष्य का नाम कमल था, कुछ ही दूर जाने के बाद कमल को गुरूजी का दूसरा शिष्य मिला और बोला कि आपने इस कुंए का जल गुरू जी को पिला दिया। यह बात सुनकर शिष्य वापस गुरू जी के पास गया और बोला गुरूजी माफ करना मुझे नहीं पता था कि यह जल कड़वा है। मेनें भी यह जल पीकर अपनी गले को तर किया था। पर प्यास ज्यादा लगने के कारण महसूस नहीं हुआ कि यह जल इतना कड़वा भी हो सकता है। गुरूजी बोले बेटा मिठास और शीतलता इस जल में नही है तो क्या हुआ। तुम मेरे शिष्य हो और तुम्हारे मन में इस जल को लाने का विचार आया तुम्हारा प्रेम मेरे प्रति उमड़ा यही बात बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे पता था कि यह जल पीने लायक नहीं है परन्तु यह बात बता कर तुम्हारा मन दुखी नहीं करना चाहता था, हो सकता है जल का पात्र साफ न होने के कारण यहां तक मशक में जल को लाते–लाते वैसा नहीं रहा हो। पर मुझे इस बात की बहुत खुशी हुई कि शिष्य के लिए गुरू का सम्मान ऐसे ही बना रहे और सभी गुरूओं के लिए प्रेम तो कम नहीं होता है यह तो जितना बांटो उतना बढ़ता है।

गुरू जी के अनमोल वचन

दुसरों के मन को दूखी करने वाली
बातों को टाला जा सकता है
और हर बुराई में अच्छाई खोजी जा सकती है।

लखविंदर सिंह
बी.ए.प्रथम सेमेस्टर
राजकीय महाविद्यालय गदरपुर
(ऊ0सि0नगर)

STUDENTS' CORNER

विधिक साक्षरता (संकलित)

अवसर हम विधिक साक्षरता के बारे में बात करते है मुझे कुछ जानकारी विधिक सेवाओं के बारे में मिली जिसे मै आपसे साझा कर रहा हूँ–

विधिक सेवाएं क्या है ?

विधिक सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत न्यायालय/प्राधिकरण/ट्रिब्यूनल्स के समक्ष विचाराधीन मामलों मे पात्र व्यक्तियों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

सरकारी खर्च पर वकील उपलब्ध कराए जाते है।

मुकदमों की कोर्ट फीस दी जाती है।

कागजात तैयार करने के खर्च दिए जाते है।

गवाहों को बुलाने के लिए खर्च वहन किया जाता है।

मुकदमो के संबंध में अन्य आवश्यक खर्च भी दिये जाते है।

नि : शुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने हेतु पात्र कौन है ?

1. अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सभी नागरिक
2 संविधान के अनुच्छेद–23 में वर्णित मानव दुर्व्यवहार/बेगार के शिकार व्यक्ति
3 सभी महिला एवं बच्चे
4 सभी विकलांग एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति
5 बहुविनाश, जातीय हिंसा, जातीय अत्याचार, बाढ़, सूखा एवं भूकम्प या औद्योगिक संकट जैसे दैवीय आपदा से पीड़ित व्यक्ति
6 औद्योगिक क्षेत्र में कार्य करने वाले सभी मजदूर
7 जेल/कारागार/संरक्षण गृह /किशोर गृह एवं मनोचिकित्सक अस्पताल या परिचर्या गृह में निरुद्ध सभी व्यक्ति
8 सभी ऐसे व्यक्ति जिनकी समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय एक लाख या एक लाख रूपये से कम है
9 भूतपूर्व सैनिक
10 हिजड़ा समुदाय के व्यक्ति
11 वरिष्ठ नागरिक।

नोट:– क्रम संख्या 1 से 7,9,10 एवं 11 में वर्णित व्यक्तियों के लिये वार्षिक आय की कोई सीमा नही है।

अधिक जानकारी के लिए लिखें या मिलें :–

सभी जिलो में दीवानी न्यायालय में कार्यरत जिला विधिक प्राधिकरण के अध्यक्ष (जिला जज) अथवा सचिव से एवं उत्तराखंड उच्च न्यायालय में कार्यरत उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष अथवा सचिव से।

मोनिस
बी.ए.तृतीय वर्ष
राजकीय महाविद्यालय गदरपुर
(ऊ0सि0नगर)

अतिथियों की कलम से

बचत और निवेश पर विशेष

आदरणीय समस्त गुरुजनों एवं प्रिय छात्र -छात्राओं को मेरा स्नेहिल अभिवादन !

इस पृष्ठ के माध्यम से सरल भाषा के प्रयोग से मैं समस्त छात्र- छात्राओं में निवेश के प्रति जागरूकता को बढ़ाना चाहता हूँ। अर्थशास्त्र के विद्यार्थी कृपया बुरा न मानें क्योंकि मैं अंग्रेजी विषय का प्राध्यापक होकर यह दुस्साहस कर रहा हूँ। धन के अवमूल्यन के बारे में समझने हेतु एक उदाहरण लेते हैं - यदि हमारे कुछ पैसे या यूँ कहें कि कुछ रुपये खो गए या फिर किसी व्यापार में हमें कोई नुकसान हो गया तो प्रायः यही माना जाता है कि हमारा बहुत बड़ा नुक्सान हो गया लेकिन जो पैसा कभी प्रयोग में नहीं लाया जाता है- वह तो सबसे बड़ा नुक्सान है लेकिन वह दिखता नहीं है। इसी प्रकार जो धन किसी ढंग की जगह निवेशित नहीं हो पाता है वह भी अपना मूल्य दिन-प्रतिदिन खोता ही रहता है। धन को केवल कमाने से ही काम नहीं चलता है वरन जैसे-जैसे घर-परिवार समृद्ध होता जाता है तो अर्जित धन का समय के साथ मूल्य बनाए रखना एक बहुत बड़ी चुनौती हो चली है जिस पर ज्यादातर लोगों का ध्यान नहीं जाता है और हमारे अर्जित धन का अवमूल्यन होता रहता है। आप अपने अर्जित धन से जमीन, सोना-चाँदी, अच्छी कंपनियों के शेयर खरीद सकते हैं या फिर डेढ़ लाख रुपये तक आप अपने पी.पी.एफ. बैंक खाते में प्रतिवर्ष जमा कर सकते हैं। मेरे हिसाब से पी.पी.एफ. बैंक खाते में धन निवेश करना एक अंतिम विकल्प के तौर पर लेना चाहिए। किसी कॉलोनी में प्लॉट लेने से या फिर किसी अपार्टमेंट में फ्लैट लेने से बेहतर है कोई खेत की जमीन खरीदना, खेती की खेती और जमीन के दाम बढ़ने से भी फायदा ही फायदा।

आजकल डी-मेटेरियलाइज़्ड खातों से शेयरों एवं सोना-चाँदी का क्रय-विक्रय बहुत आसान हो गया है। अच्छी कंपनी के शेयरों में लंबे समय तक निवेशित रहने से तगड़ा मुनाफा हो सकता है। जब भी शेयर मार्केट क्रैश होती है, थोड़ा-थोड़ा पैसा लंबे समय तक लगाया जा सकता है। शेयर मार्केट में डिस्काउंट (ओनलाईन) ब्रोकर्स से ट्रेड करने में न्यूनतम निवेश धनराशि जैसा कुछ नहीं होता है। बिटकॉइन्स आदि में निवेश से बचना चाहिए। आप सिस्टेमेटिक इनवेस्टमेंट प्लानिंग (एस आई पी) के तहत भी अल्पायु से ही अपना निवेश प्रारम्भ कर सकते हैं। बीमा करवाना निवेश से भिन्न है। जैसे- जैसे धन का अवमूल्यन होता जा रहा है, सोना- चाँदी के दाम आसमान छूने लगते हैं। अतः सोना- चाँदी में निवेश आपके धन को अवमूल्यन से बचाता है। ज्वेलरी आवश्यकतानुसार ही खरीदनी चाहिए, क्योंकि ज्वेलरी बेचने पर कुछ बनवाई एवं अन्य चार्ज कट जाते हैं। अतः सोने के सरकारी बॉडस में पैसा लगाया जा सकता है जोकि लंबे समय में फिक्स्ड डिपॉजिट से कहीं बेहतर रिटर्न्स दे सकता है।

समस्त छात्र- छात्राओं को प्रतिवर्ष अपना ITR (आयकर विवरणी) अवश्य भरनी चाहिए जिससे आपको मकान आदि खरीदने के समय लोन लेने में परेशानी न हो। लोन पर मकान आदि लेने से भी आपको आयकर में प्रतिवर्ष बचत होती है। यदि आप अभी से ही अपनी बचत और निवेश के प्रति सजग हो जाएंगे तो मुझे उम्मीद है कि आपको आत्मनिर्भर बनने से कोई रोक नहीं सकता। आपको अपने समय का भी सदुपयोग करना चाहिए क्योंकि समय भी धन का ही एक रूप है। मनुष्य को समय की कितनी फिक्र है, इसकी झलक सिर्फ सड़क पर ही दिखाई देती है। यदि समय की इतनी ही फिक्र मनुष्य सड़क से उतरने पर भी शुरू कर दे तो मनुष्य चाँद पर ही नहीं सूर्य पर भी पहुँचने का दम-खम रखता है।

डॉ संजीव कुमार बंसल,
असिस्टेंट प्रोफेसर (अंग्रेजी)
एस.वी. कॉलेज, अलीगढ़
(उत्तर प्रदेश)

गुरू की वाणी

साइबर अपराध

अपराध के विभिन्न प्रकारों में से साइबर अपराध एक है साइबर का संबंध प्राय कंप्यूटर से जोड़कर देखा जाता है लेकिन अपराध के संदर्भ में साइबर का संबंध सूचना प्रौद्योगिकी से होता है सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े सभी प्रकार के अपराध साइबर अपराध किस श्रेणी के अंतर्गत आते है साइबर अपराध इंटरनेट के माध्यम से किया जाने वाला यह अपराध किस श्रेणी के अंतर्गत आते है साइबर अपराध इंटरनेट के माध्यम से किया जाने वाला यह अपराध है जिसमें कंप्यूटर मोबाइल का उपयोग किया जाता है आज कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी ने मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र अपनी जगह बना ली है जिसमें उसका प्रभाव संबंधित क्षेत्र में स्पत दिखाई देता है एक और दैनिक जीवन में कंप्यूटर मोबाइल फोन इंटरनेट कंप्यूटरी करण बैंकिंग क्रेडिट कार्ड का प्रयोग काफी सीमा तक बढ़ गया है दूसरी और इनसे संबंधित अपराध भी प्रकाश में निरंतर आ रहे है इन अपराधों को सूचना प्रौद्योगिकी की द्वारा खोज की गई तकनीकी एवं डिवाइस उपकरणों की सहायता से रोका भी जा सकता है सॉफ्टवेयर की चोरी साइबर अपराध का सबसे प्रारंभिक स्वरूप है कंप्यूटर में उपस्थित आकड़ो को बदलने या उनके स्वरूप में परिवर्तन कर देना भी साइबर उपराध कहा जाता है जब कंप्यूटर में प्रौद्योगिकी के ज्ञान का प्रयोग अपराध करने के लिए किया जाता है तो यह अपराध साइबर अपराध है।

सूचना तकनीक कानून, 2000 के अंतर्गत साअबरस्पेस में क्षेत्राधिकार संबंधी प्रावधान

समाजिक विकास के विभिन्न क्षेत्रों, खासकर न्यायिक प्रक्रिया में इसके इस्तेमाल की महता को कम करके नहीं आंका जा सकता, क्योंकि इसकी तेज गति, कई छोटी–मोटी दिक्कतों से छुटकारा, मानवीय गलतियों की कमी, कम खर्चीला होना जैसे गुणों के चलते यह न्यायिक प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है। सूचना तकनीक कानून के अंतर्गत उल्लिखित आरोपा की सूची निम्नवत है:–

- कंप्यूटर संसाधनों से छेड़छाड़ की कोशिश–धारा 65
- कंप्यूटर में संग्रहित डाटा के साथ छेड़छाड़ कर उसे हैक करने की कोशिश –धारा 66
- संवाद सेवाओं के माध्यम से प्रतिबंधित सूचनाएं भेजने के लिए दंड का प्राव्धान –धारा 66 ए
- कंप्यूटर या अन्य किसी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट से चोरी की गई सूचनाओं को गलत तरीके से हासिल करने के लिए दंड का प्राव्धान–धारा 66बी
- किसी की पहचान चोरी करने के लिए दंड का प्राव्धान–धारा 66सी अपनी पहचान छुपाकर कंप्यूटर की मदद से किसी के व्यक्तिगत डाटा तक पहुंच बनाने के लिए दंड का प्राव्धान–धारा 66डी
- किसी की निजता भंग करने के लिए दंड का प्राव्धान –धारा 66ई
- साइबर आतंकवाद के लिए दंड का प्रावधान–धारा 66एफ
- आपत्तिजनिक सूचनाओं के प्रकाशन से जुड़े प्राव्धान–धारा 67
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से सेक्स या अश्लील सूचनाओं को प्रकाशित या प्रसारित करने के लिए दंड का प्रावधान–धारा 67 ए
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से ऐसी आपत्तिजनक सामग्री का प्रकाशन या प्रसारण जिसमें बच्चों को अश्लील अवस्था में दिखाया गया हो–धारा 67 बी

- मध्यस्थों द्वारा सूचनाओं को बाधित करने या रोकने के लिए दंड का प्रावधान–धारा 67 सी
- सुरक्षित कंप्यूटर तक अनाधिकार पहुंच बनाने से संबंधित प्रावधान –धारा 70
- डाटा या आंकड़ों को गलत तरीके से पेश करना–धारा 71
- आपसी विश्वास और निजता को भंग करने से संबंधित प्रावधान–धारा 72ए
- कॉन्ट्रैक्ट की शर्तो का उल्लंघन कर सूचनाओं को सार्वजनिक करने से संबंधित प्रावधान–धारा 72ए
- फर्जी डिजिटल हस्ताक्षर का प्रकाशन–धारा 73
- सूचना तकनीक कानून की धारा 78 मे इस्पेंक्टर स्तर के पुलिस अधिकारी को इन मामलों में जांच का अधिकार हासिल है।

भारतीय दण्ड संहिता (आईपीसी) में साइबर अपराधों से संबंधित प्रावधान

- ईमेल के माध्यम से धमकी भरे संदेश भेजना–आईपीसी की धारा 503
- ईमेल के माध्यम से ऐसे संदेश भेजना जिससे मानहानि होती हो–आईपीसी की धारा 499
- फर्जी इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्डस का इस्तेमाल–आईपीसी की धारा 463
- फर्जी वेबसाइटस या साइबर फ्रॉड–आईपीसी की धारा 420
- चोरी–छुपे किसी के ईमेल पर नजर रखना –आईपीसी की धारा 463
- वेब जैकिंग–आईपीसी की धारा 383
- ईमेल का गलत इस्तेमाल–आईपीसी की धारा 500
- दवाओं को ऑनलाइन बेचना–एनडीपीएस एक्ट
- हथियारों की ऑनलाइन खरीद–बिक्री–आर्म्स एक्ट

डॉ अशोक कुमार
एसो0 प्रो0 समाजशास्त्र विभाग
रा0महा0 गदरपुर
ऊ0सिंह नगर

विशेष / उपलब्धि / सम्मान

- महाविद्यालय एवं छात्र– छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु apex group of institute के साथ महाविद्यालय द्वारा MOU समझोता किया गया।

- अध्ययन में अपेक्षाकृत कमजोर विधार्थियों हेतु अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था की गई।

- सुश्री तनुजा परिहार अर्थशास्त्र विभाग को DOCTERATE की DEGREE (उपाधि) प्राप्त हुई।

- राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की छात्रा ईकाई का शुभारम्भ किया गया।

महाविद्यालय परिवार

प्राचार्य : प्रो. शर्मिला सक्सेना

प्राध्यापक वर्ग

समाजशास्त्र विभाग
डॉ० अशोक कुमार (एसो. प्रोफेसर)

हिंदी विभाग
डॉ० अर्चना वर्मा (असि० प्रोफेसर)

शिक्षाशास्त्र विभाग
श्री प्रमोद वर्मा (असि० प्रोफेसर)

राजनीति विज्ञान विभाग
डॉ० श्रीहरि प्रसाद (नि.अ.शिक्षक)

इतिहास विभाग
सुश्री प्रभजोत कौर (नि.अ.शिक्षक)

अर्थशास्त्र विभाग
सुश्री तनुजा परिहार (नि.अ.शिक्षक)

अंग्रेजी विभाग
(रिक्त)

कार्यालय

वरिष्ठ सहायक
श्री हिमांशु जोशी

उपनल कर्मचारी

श्री मदन सिंह – स्वच्छक

श्री हिमांशु तिवारी – चौकीदार

श्री गौरव जोशी – बुक लिफ्टर

श्रीमती नीतू सिंह – प्रयोगशाला परिचर

श्री विजय गिरी – अनुसेवक

श्री मनोज पनेरू – अनुसेवक

Info. Desk

College Website	https://gdcgadarpur.in
College Facebook ID	https://www.facebook.com/profile.php?id=100087622763715
Kumaun University Website	https://www.kunainital.ac.in
Samarth Portal	https://ukadmission.samarth.ac.in/index.php/site/login
Routes To Roots	https://routes2roots.ngo/register
Skill Development Programme	https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSeNwFkNXefyHBV8dqN-EZQfqPLG65G9hvMb_4Ug0K1XayrUWA/viewform
Anti Ragging	https://www.antiragging.in/affidavit_registration_disclaimer.html
Anti Drug	https://pledge.mygov.in/fightagainstdrugabuse/